भोपाल बर्ड्स ई-पत्रिका

अगस्त-सितम्बर 2018

BHOPAL BIRDS
Committed to save nature

मानसून बर्ड वाचिंग

दिनाँक 19 अगस्त 2018 को भोज ताल में भोपाल बड्र्स संस्था द्वारा मानसून बर्ड वाचिंग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसून में दिखाई देने वाले पक्षियों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में रिमझिम फुहारों के साथ 25 प्रतिभागियों ने पक्षी दर्शन एवं फोटोग्राफी का आनन्द लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पक्षी दर्शन के साथ साथ उनके नाम व विशेषता आदि को पहचाना। कार्यक्रम के दौरान देखे गए पक्षियों में पेंटेड स्टोर्क ,सारस क्रेन ,फेसनट टेल जकाना ,लिटिल कोर्मोरेंट ,पर्पल हेरॉन ,बया ,स्पॉट बिल डक , रूफस टेल्ड लार्क , वुल्ली नेक स्टोर्क , ब्लैक आइबिस , जेकोबीन कुक्कू आदि को देखा गया। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर प्रतिभगियों ने पक्षियों के मनमोहक छाया चित्रों को लेने की कला भी सीखी। कार्यक्रम में स्रोत व्यक्ति के रूप में डॉ संगीता राजगीर एवं मो खालिक उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस

दिनाँक 1 सितम्बर 2018 को क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल एवं भोपाल बर्ड्स संस्था के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों एवं पर्यावरणविदों द्वारा "मध्य प्रदेश में गिद्धों की स्थिति एवं उनके संरक्षण के उपाय " विषय पर समूह चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ.मनोज कुमार शर्मा ,प्रभारी वैज्ञानिक ,क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल द्वारा इस दिवस की आवश्यकता व महत्त्व के बारे में बताया गया। समूह चर्चा के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ श्री दिलशेर खान ,सदस्य ,मध्य प्रदेश गिद्ध संरक्षण समिति द्वारा मध्य प्रदेश में गिद्धों के प्रकार ,गणना एवं संरक्षण के लिए किये गए प्रयासों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

समूह चर्चा में उपस्थित अन्य विषय विशेषज्ञ डॉ.सुदेश वाघमारे (सेवानिवृत्त ,वन अधिकारी),श्री ए.के खरे (सेवानिवृत्त ,वन अधिकारी),डॉ.प्रदीप नंदी (निदेशक ,एन.सी.एच.ई) एवं श्रीमती बेबी नाज़ द्वारा गिद्धों पर स्वयं के अनुभवों व किये गए कार्यों पर अपने विचार रखे। श्री मानिक लाल गुप्ता , वैज्ञानिक बी ,क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल द्वारा संग्रहालय में किये जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम में गिद्ध संरक्षण विषय को शामिल किये जाने का प्रस्ताव रखा। भोपाल बर्ड्स संस्था के संस्थापक सदस्य ,श्री मो खालिक व डॉ.संगीता राजगीर द्वारा गिद्धों के संरक्षण पर संस्था द्वारा विशेष प्रयास किये जाने पर विचार रखा। समूह चर्चा के उपरांत विषय विशेषज्ञों द्वारा मध्य प्रदेश में व्यवस्थित एवं व्यापक कार्य योजना बनाकर डाइक्लोफिनिक दवा का मवेशियों पर प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित करने व व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भोपाल बर्ड्स की गतिविधियाँ समाचार पत्रों में

मानसून में देखी सारस क्रेन और स्पॉट बिल डक की अठखेलियां

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

मानसून के दिनों में प्रकृति के साथ अठखेलियां करते हुए पक्षियों को देखना हर किसी के लिए यादगार बन गया। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर भोज ताल में भोपाल बर्ड्स संस्था की ओर से मानसून बर्ड वॉचिंग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसून में दिखाई देने वाले पक्षियों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में रिमझिम फुहारों के साथ 25 प्रतिभागियों ने पक्षी दर्शन किए। साथ ही फोटोग्राफी का भी आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पक्षी दर्शन के साथ-साथ उनके नाम और विशेषताओं को भी पहचाना।

भोज ताल में बर्ड वॉचिंग करते हुए प्रतिभागी।

मानसून बर्ड वॉचिंग शिविर का आयोजन

इन पक्षियों को देखा

कार्यक्रम के दौरान देखे गए पक्षियों में पेंटेड स्टोर्क, सारसक्रेन, फेसन्ट टेलजकाना, लिटिल कोर्मोरेंट, पर्पल हेरॉन, बया, स्पॉट बिल डक, रूफस टेल्ड लार्क, वुल्ली नेक स्टोर्क, ब्लैक आइबिस, जेकोबिन कुक्कू को देखा गया। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर प्रतिभगियों ने पक्षियों के दुर्लभ छाया चित्रों को लेने की कला भी सीखी।

मानसून में पक्षियों का आकर्षण

कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स के रूप में डॉ. संगीता राजगीर और मो. खालिक उपस्थित थे। इस मौके पर एक्सपर्ट्स ने बताया कि कुछ पक्षियों को मानसून में देखना आकर्षक होता है। प्रजनन काल के पहले का वक्त है। प्रजनन काल के वक्त पक्षी और भी आकर्षक हो जाते है। जिसे देखना काफी मनोरम दृश्य होता है।

मानसून बड्र्स पेंटेड स्टोर्क, पर्पल हेरॉन को किया कैप्चर

राजा भोज लेक पर बड्र्स वॉचिंग कैम्प, 25 प्रतिभागियों ने खींची पक्षियों की तस्वीरें

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

भोपाल बड्र्स संस्था द्वारा मानसून बर्ड वाचिंग कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसून में दिखाई देने वाले बड्र्स की जानकारी देना था। 25 प्रतिभागियों ने राजा भोज लेक पर मानसून के समय आने वाले बड्र्स के नाम व विशेषताओं के बारे में जाना। इन बड्र्स में पेंटेड स्टोर्क, सारस क्रेन, फेसन्ट टेल जकाना, लिटिल कोर्मोरेंट, पर्पल हेरॉन, बया, स्पॉट बिल डक, रूफस टेल्ड लार्क, वुल्ली नेक स्टोर्क, ब्लैक आइबिस, जेकोबीन कुक्कू को देखा गया। प्रतिभगियों ने बड्र्स के फोटो को कैप्चर करने की कला भी सीखी। सोर्स पर्सन डॉ. संगीता राजगीर और मो. खालिक उपस्थित थे।

रूफस टेल्ड लार्क | पर्पल हेरॉन | जैकोबिन कक्कू

गिद्धों को बचाने के लिए लेनी होगी यूथ की मदद

अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस कार्यक्रम

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में रविवार को गिद्धों को लेकर समूह चर्चा की गई।

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय और भोपाल एवं भोपाल बर्ड्स की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर विशेषज्ञों एवं पर्यावरणविद्वों ने 'मप्र में गिद्धों की स्थिति एवं उनके संरक्षण केउपाय' विषय पर समूह चर्चा की। समूह चर्चा में विषय विशेषज्ञों ने मप्र में व्यवस्थित एवं बड़े स्तर पर कार्य योजना बनाकर डॉयक्लोफिनेक दवा का मवेशियों पर प्रयोग पूर्णतया प्रतिबंधित करने पर जोर दिया। साथ ही बड़े स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने की बात कही। गिद्धों को बचाने के लिए युवाओं की मदद लेनी होगी। भोपाल बर्ड्स संस्था के संस्थापक सदस्य मो. खालिक व डॉ. संगीता राजगीर ने गिद्धों के संरक्षण पर संस्था की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। संग्रहालय के वैज्ञानिक बी-मानिक लाल गुप्त ने संग्रहालय में किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम में गिद्ध संरक्षण विषय को शामिल किए जाने का प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर मप्र गिद्ध संरक्षण समिति के सदस्य दिलशेर खान ने गिद्धों के प्रकार, गणना और संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सुदेश बाघमारे (सेवानिवृत्त वन अधिकारी), एके खरे (सेवानिवृत्त वन अधिकारी), डॉ. प्रदीप नंदी, (निदेशक, एनसीएचई) और बेबी नाज ने अपने अनुभवों व गिद्धों पर किए गए काम के आधार पर अपने विचार रखे।

Monsoon bird watching camp held

■ Staff Reporter

ON SUNDAY Bhopal Birds organised monsoon bird watching camp in Bhoj Tal. The purpose of the programme was to give information about the birds appearing in the monsoon. About 25 participants enjoyed bird watching and photography with a remix spray in the programme. Participants identified bird names as well as their specialties.

Painted Stork, Saras Crane, Little Cormorant, Purple Heron, Woolly Neck Stroke, Bay, Spot Bill Duck, Rufus Tailed Lark, Wolly Neck Stork, Black Ibis, Jacobin Cuckoo etc were seen during the bird watching camp. On the occasion of World Photography Day, experts informed participants about How to get best picture of monsoon birds. Dr Sangeeta Rajgir and Mohammed Khalique were present in the program as the source person. The painted stork is a large wader in the stork family. The tufted duck is one of the species which belongs to African-Eurasian Migratory Water Birds. Adult male is all black except for white flanks and blue-grey bill with gold-yellow eyes, along with a thin crest on the back of its head. It has an obvious head tuft that gives species its name. These birds feed mainly by diving, and sometimes upend from the surface. They eat molluscs, aquatic insects and some plants which are available on wet land .

The ferruginous duck, also ferruginous pochard, common white-eye or white-eyed pochard is a medium sized diving duck from Eurasia. The breeding male is a rich, dark chestnut on the head, breast and flanks with contrasting pure white under tail coverts. In flight the white belly and underling patch are visible. The females are duller and browner than the males. Male birds have a yellow eye and females have a dark eye. The ferruginous duck prefers mainly wetlands and also quite shallow fresh water bodies with rich submerged and floating vegetation with dense stands of emergent vegetation on the margins. Purple heron was also visible near wet land.

Jacobin cuckoo, is a member of cuckoo order of birds that is found in Africa and Asia. This medium-sized, slim black and white cuckoo with a crest is distinctive. The white wing patch on the black wing and the pattern make it unmistakable even in flight. They are very vocal during the breeding season. The call is a ringing series of whistling notes with the calls of the nominate form more rapid and slightly mellowed. This bird is also known as the chataka represented as a bird with a beak on its head that waits for rains to quench its thirst.

Painted stork spotted at Bhoj Wetland.

Group discussion held at RMNH

OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

A group discussion on "Vulture Status and their Conservation in Madhya Pradesh" by subject experts and environmentalists was held at Regional Museum of Natural History (RMNH), Bhopal on Saturday.

It was organised jointly by RMNH, Bhopal and Bhopal Birds to mark International Vulture Awareness Day.

In-charge of the museum and scientist-B Manoj Kumar Sharma told about the importance of this day.

Subject expert and member of MP Vulture Conservation Society, Dilshar Khan informed by power point presentation about the type of vultures, efforts for their conservation and census of vulture.

Subject experts Dr. Sudesh Waghmare (retd.forest officer), A K Khare (retd. forest officer), Dr. Pradeep Nandi (director, nche) and Baby Naaz shared their experiences about the vultures.

Scientist-B of the museum Manik Lal Gupta proposed to include a programme on the awareness of vulture conservation.

Founder member of Bhopal Birds Mohd. Khalique and Sangeeta Rajeer informed about the efforts made by the Bhopal Birds for the vulture conservation.

After the group discussion, all subject experts suggested to prohibit the use of Dyclofonic medicine on cattle and organised widely the awareness event.

Vulture Status and their Conservation in MP

भोपाल बर्ड्स कंजर्वेशन सोसाइटी

संपर्क :

मो.खालिक

संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

9303115519

डॉ संगीता राजगीर

संस्थापक एवं सदस्य सचिव

9329990886

WhatsApp 9424492454 bhopalbirds.ecs bhopalbirds www.bhopalbird.org